



'आधार 2.0- डिजिटल पहचान और स्मार्ट शासन प्रणाली के अगले युग की शुरुआत' पर 23 से 25 नवंबर, 2021 तक कार्यशाला का आयोजन किया गया

राज्य मंत्री श्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा- 'आधार - डिजिटल वास्तुकला का एक महत्वपूर्ण उदाहरण'

"आधार अनुकूलन तंत्र प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाने के लिए विकास को बढ़ावा दे रहा है ताकि भारत जल्द ही 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर हो": श्री राजीव चंद्रशेखर

कार्यक्रम के दौरान 'आधार हैकथॉन' के विजेताओं को श्री राजीव चंद्रशेखर द्वारा सम्मानित किया गया

प्रविष्टि तिथि: 25 NOV 2021 5:53PM by PIB Delhi

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री श्री राजीव चंद्रशेखर ने आज विज्ञान भवन, नई दिल्ली में तीन दिवसीय कार्यशाला 'आधार 2.0- डिजिटल पहचान और स्मार्ट शासन प्रणाली के अगले युग की शुरुआत' के समापन समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर अपने

सम्बोधन में श्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि आधार 2.0 कार्यशाला एक ऐसा कदम है जो 'डिजिटल इंडिया' की भावना को सही दिशा और आकार देकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने आगे कहा कि आज प्रौद्योगिकी शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और कृषि के लिए बेहतर सेवाओं तक पहुंच को सक्षम बनाती है और पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में मदद करती है। एम गवर्नेंस का हमारा सपना - मोबाइल फोन पर सेवाएं देना और सभी के लिए ऑनलाइन सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना आज एक वास्तविकता है। आधार, यूपीआई और डिजी लॉकर जैसी पहलों का कार्यान्वयन फेसलेस, कैशलेस और पेपरलेस गवर्नेंस सुनिश्चित कर रहा है जिसने एक मजबूत, सुदृढ़ और सुरक्षित डिजिटल इंडिया की नींव रखी है। आधार 2.0 कार्यशाला के दौरान जो विचार-विमर्श हुआ, उससे अगले दशक के लिए नई नीतियां और रणनीतियां तैयार करने के लिए मूल्यवान परिणाम सामने आए हैं।



आधार 2.0 के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, श्री राजीव चंद्रशेखर ने निम्नलिखित बातों का उल्लेख किया:

1. प्रभावी नीति निर्माण के लिए नियमित परामर्श और चर्चा महत्वपूर्ण है।
2. कोविड के बाद के युग में, दुनिया में डिजिटल स्पेस में विकास के जबरदस्त अवसर मिल रहे हैं।
3. हमारी महत्वाकांक्षा केवल घरेलू जरूरतों तक ही सीमित नहीं है बल्कि वैश्विक स्तर पर विस्तार करने की है।
4. राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बहुत महत्वपूर्ण है - यह विश्वसनीय आईडी की मांग करता है।
5. आधार 2.0 हमेशा उभरते गतिशील डिजिटल वातावरण के लिए दी गई समकालीन आवश्यकता के अनुरूप है।

प्रधानमंत्री की आर्थिक परिषद के अध्यक्ष डॉ. बिबेक देबरॉय ने कहा कि 'न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन' के मिशन के बाद, आधार जमीनी स्तर पर सहकारी संघवाद के विचार को साकार करने में सक्षम है। आधार ने शासन प्रणाली को भारी दस्तावेजीकरण और अधिकारियों के साथ थकाऊ व्यक्तिगत

लेनदेन से लेकर विशिष्ट पहचान प्रणाली और बिचौलियों के बिना परिष्कृत डिजिटल लेनदेन तक ले लिया है। 2014 के बाद से, 'आधार' अविश्वसनीय रूप से मजबूत हुआ है, विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों द्वारा इसका बेहतर उपयोग किया गया है क्योंकि अब 313 से अधिक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण कल्याण योजनाएं लाभार्थियों को लाभ और सब्सिडी के लक्षित वितरण के लिए आधार प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रही हैं और अनुमानित रूप से मार्च 2020 तक सरकारी खजाने में 1800 बिलियन (1.80 लाख करोड़ रुपये) रुपये की बचत अर्जित की है।

श्री अजय प्रकाश साहनी, सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने कहा कि यूआईडीएआई गैर-पक्षपाती डेटा-केंद्रित शासन प्रणाली प्रदान करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) की विशिष्ट तकनीकों को अपनाकर 'आधार' को व्यापक बनाने के लिए लगातार काम कर रहा है। यह न केवल प्रभावी मूल्यांकन और डेटा का विश्लेषण करने में मदद करेगा बल्कि यह धन के प्रवाह के लिए डिजिटल जांच भी पेश करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि आधार ने कोविड के दौरान एक तारणहार के रूप में भी काम किया है। आधार प्लेटफॉर्म का उपयोग करने वाली योमन सेवा पर प्रकाश डाला गया कुछ तथ्य इस प्रकार हैं:

- नागरिकों द्वारा अपनी पहचान साबित करने के लिए आधार का तेजी से उपयोग किया जा रहा है। ऑनलाइन आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के तहत सेवाओं का लाभ उठाने के लिए वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान नागरिकों द्वारा लगभग 1400 करोड़ बार आधार उपलब्ध कराया गया।
- एपीबी भुगतान (आधार-सक्षम डीबीटी भुगतान) मार्च 2020 से अप्रैल 2020 में 140 प्रतिशत तक बढ़ गया। यह अप्रैल 2020 के स्तर से मई 2021 में फिर से 200 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया, जो सरकार द्वारा कोविड के दौरान डीबीटी भुगतान को दर्शाता है।

यूआईडीएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सौरभ गर्ग ने कहा कि एक बार व्यक्तिगत प्रक्रियाएं अब उंगलियों पर ऑनलाइन हो रही हैं, इसके अलावा, उपभोक्ता भी लेनदेन के डिजिटल तरीके से काफी खुश हो रहे हैं। विभिन्न शोधकर्ताओं के डेटा से पता चलता है कि कोविड महामारी के कारण, अधिकांश उपभोक्ता किसी भी सेवा या किसी व्यवसाय के लिए जाने पर संपर्क रहित लेनदेन और भुगतान पसंद करते हैं। अनुकूलित कीमत पर मूल्यवान सेवाएं प्रदान करने वाले व्यवसायों के साथ हमारे फिंगरप्रिंट और चेहरे नए पासवर्ड हो सकते हैं। इस कार्यशाला ने इन प्रमुख विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श का अवसर प्रदान किया है और आने वाले दशक में प्रगति के नए रास्ते तैयार करने में सहायक होगा।

आत्मनिरीक्षण और अभिनव रूप से कार्य करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, आधार हैकथॉन 2021 को हाल ही में 31 अक्टूबर, 2021 (28 -31 अक्टूबर 21 के बीच आयोजित) को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया था। यूआईडीएआई ने दो विषयों में 7 प्रॉब्लम स्टेटमेंट जारी किए थे, जिन्हें भारत के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों द्वारा हल किया जाना था। इस आयोजन में 3000 से अधिक लोगों ने पंजीकरण के माध्यम से भाग लिया, जिन्होंने प्रॉब्लम स्टेटमेंट को हल करने का प्रयास किया। कुल 175 प्रस्तुतियाँ प्राप्त हुईं, जिनका मूल्यांकन बहु-स्तरीय निर्णायक मंडलों द्वारा दो विषयों के विजेताओं की पहचान करने के लिए किया गया।



कार्यशाला के समापन सत्र के दौरान श्री राजीव चंद्रशेखर द्वारा 'आधार हैकथॉन' के विजेताओं की घोषणा और सम्मानित किया गया।

(ए) पता अपडेट करने के बारे में पहली थीम के लिए, निम्नलिखित टीमों को विजेता घोषित किया गया:

क्रम संख्या	टीम की पहचान	प्रतिभागियों के नाम	महाविद्यालय	पद	पुरस्कार राशि (रुपए में)
1	टीम उहट्रेड	कार्तिक बंसल अदित पटेल आर्यमान पांडे अंकित हंस साग्निक बिस्वास	एसआरएम कॉलेज, चेन्नई	प्रथम	3 लाख

2	सीबीएक्सकेज़ेड एनओआईए96	वरेन्या तिवारी सौमदीप दास प्रणव नायर	आईआईटी गुवाहाटी	द्वि ती य	2 लाख
3	कोड इम्पॉसिबल	इशांत दहिया मुदित खंडेलवाल क्षितिज विक्रम सिंह	एनएसयूटी, दिल्ली	तृ ती य	1 लाख
4	नल पॉइंटर एक्सेप्शन	अरुण आर चरण एस प्रवीण वी अश्विन एंटनी प्रिंस जे	सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई	तृ ती य	1 लाख

(बी) दूसरे थीम प्रमाणीकरण के लिए, निम्नलिखित टीमों को विजेता घोषित किया गया:

क्रम संख्या	टीम की पहचान	प्रतिभागियों के नाम	महाविद्यालय	रैंक	पुरस्कार राशि (रुपये में)
1	टिंकर चाइल्ड	ऋत्तिक गुप्ता शुभम गौर अभिषेक चौधरी अभयम गुप्ता दीपांश लोधी	आईआईटी जम्मू	प्र थ म	3 लाख
2	202 एक्सेप्टेड	अथर्वराजाध्यक्ष ओंकार प्रभुने	विश्वकर्मा प्रौद्योगिकी संस्थान, पुणे	द्वि ती य	2 लाख
3	कैफेनेटेड फास्ट फिंगर	स्मितल लुनावत हमजा अंसारी सत्यम अग्रवाल मृणालिनी गायकवाड़ अथर्वचंद्र	रामरावआदिक प्रौद्योगिकी संस्थान, नवी मुंबई	तृ ती य	1 लाख

4	कंट्रोल-आ ल्ट_इलाइ ट	प्रणव एमएस रक्षा एस संहिता सूरजजवूर	केएसआईटी, बेंगलोर	तृ ती य	1 लाख
---	----------------------------	--	-------------------	---------------	-------

तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन अध्यक्ष, वक्ताओं, पैनलिस्टों, सत्र के मॉडरेटर और प्रतिभागियों को डिजिटल पहचान और स्मार्ट गवर्नेंस के नए युग की शुरुआत के लिए संयुक्त रूप से काम करने, अंतर्दृष्टिपूर्ण विचारों के आधार पर विचार-मंथन, डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास के लिए विचार और नए खोजे गए क्षेत्रों को प्राप्त करने की प्रतिज्ञा के साथ हुआ।

डॉ. बिबेक देबरॉय, प्रधानमंत्री की आर्थिक परिषद के अध्यक्ष, श्री अजय प्रकाश साहनी, सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय, श्री अजय सेठ, सचिव, आर्थिक कार्य विभाग, लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) राजेश पंत, राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक और डॉ. सौरभ गर्ग, सीईओ, यूआईडीएआई सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने विभिन्न प्रतिनिधियों के साथ केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न अधिकारियों तथा दूतावासों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

एमजी/एम/एमकेएस/एके

(रिलीज़ आईडी: 1775194) आगंतुक पटल : 97

इस विज्ञापित को इन भाषाओं में पढ़ें: [English](#) , [Marathi](#)